



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00984013

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : RAJNISH PATEL

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

25/08/2024

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV) GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre MAIKHERAJE NAGAR
DELHI

Shaly
निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

महात्मा गांधी ने साध्य की पवित्रता सुनिश्चित करने हेतु साधन की पवित्रता को भी संरक्षित रखने की बात कही। उदा० स्वतंत्रता संघर्ष में सत्य, अहिंसा का अनुपालन।

साधन की पवित्रता क्यों महत्वपूर्ण?

- ① यदि प्रक्रिया भ्रष्ट होगी तो परिणाम भी भ्रष्ट होगा। उदा० हाल ही में बंगलादेश में हिंसक दंगल आंदोलन के बाद सत्ता परिवर्तन तो हुआ किंतु अल्पसंख्यकों पर अत्याचार भी हुआ।
- ② साधन उचित न होने पर परिणाम अनुपेक्षित होने की गारंटी नहीं।
↳ उदा० नसबंदी द्वारा (जबरन) परिवार नियोजन का प्रयास।

③ • अपवित्र साधन में कम विश्वास एवं आगीदारी

↳ उदा. स्वतंत्रता संघर्ष में क्रान्तिकारियों को सीमित जनसमर्थन मिलना।

हालांकि एक विचारदायक साध्य को ही महत्वपूर्ण मानती हैं-

(1) चाणक्य द्वारा साम, दाम, दण्ड, भेद की नीति की प्रस्तावना।

↳ भगत सिंह, सुभाष बोस आदि द्वारा कड़े लक्ष्य हेतु छोटे विचलन को नजर भंगाने वाले की धार कहना।

(2) कड़े बार केवल पवित्र साधन से परिष्कार संभव नहीं।

↳ उदा. आतंकवाद के विरुद्ध Persuasion की नीति।

वस्तुतः • साधन-साध्य की पवित्रता के सिद्धांत में पर्याप्त आत्मनिष्ठा की स्थिति उत्पन्न आती है।

1. (b)

चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (सूत्र 150 शब्दों में दीजिए)

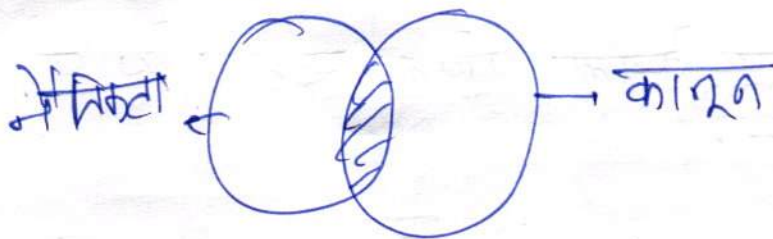
Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

कानून का निर्माण विधायिका द्वारा होता है और इसका उद्देश्य रक्षणीय होता है ~~अथवा~~ (अर्थात्) सती तथा उन्मूलन कानून

नैतिकता का निर्माण समाज द्वारा होता है प्रायः इस पर दण्ड का प्रावधान नहीं होता (अर्थात्) सदाचार का पालन

— संबंध की प्रकृति —



(1) नैतिकता द्वारा कानून निर्माण :-

(उदा०) → पर्यावरणीय नैतिकता के मूल्य पर

ESQ मानदण्डों का विकास

→ सर्वधर्मसमभाव का प्रक्षेपण धर्मनिरपेक्षता के विकास में

(2) कानून द्वारा नैतिकता का निर्माण :-

उपेक्षित - सुप्रियो चक्रवर्ती बनाम भारत एवं वाद
में कानून बनाकर समलैंगिक विवाह को
मान्यता देने का प्रस्ताव।

(3) कानून एवं नैतिकता में साम्य की स्थिति :-

उपेक्षित - महिला का सम्मान एवं POSH कानून।
समान व्यवहार की नीति एवं असुरक्षा
अभूत (A.G. 17)

(4) कानून एवं नैतिकता में विरोध की स्थिति :-

उपेक्षित - सामाजिक नैतिकता समलैंगिकता को
अस्वीकार करती है जबकि कानून नहीं।
कानूनी रूप से दहेज विषय अधि. लेकिन
सामाजिक स्वीकृति।

अतः कानून एवं नैतिकता के बीच
एक गतिशील संबंध प्रकट होता है।

2. (a)

उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words)

10

सत्यनिष्ठा से आशय मन, वचन एवं कर्म सभी स्तरों पर साम्य स्थापित करने से है। (मनसा वाचा कर्मणा) इति भगत सिंह, महात्मा गांधी।

शुचिता से आशय ईमानदारी एवं स्वच्छ व्यवहार एवं प्रक्रिया के अनुपालन से है। इति अंतर्लक्ष्य प्रणाली के द्वारा नोकशाही की शुचिता सुनिश्चित करना।

सिविल सेवा में महत्व

सत्यनिष्ठा का मूल्य

→ नैतिक पथ पर कदम रखता है इति IPS प्रभाकर चौधरी।

→ भ्रष्टाचार को नियंत्रित करता है इति अशोक खेमका।

→ राजनीतिक दृष्टिकोण के मूल्य की रक्षा

होती हैं हैं (उदा) → DCP विक्रम सिंह

→ सत्यनिष्ठा संकट में त्रैफिक मार्गदर्शक भी
देती हैं (उदा) → बहुत लाभ की संभावना
होने पर भी कर्तव्य पथ पर कबो रहना

शुचिता के लाभ

→ जन विश्वास में वृद्धि (उदा) → पारदर्शी
कोष आवंटन

→ सिविल सेक्टर की क्षमता में सुधार होता है
(उदा) → IAS नृपेंद्र मिश्रा।

→ दक्ष एवं जवाबदेह नौकरशाही का सृजन
होता है (उदा) → e-governance पर
शुचिता एवं पक्षता।

पट्टन: शुचिता एवं
सत्यनिष्ठा सिविल सेवा के आधारभूत
मूल्य हैं।

2. (b)

लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words)

10

किसी भी सूचना में अनिश्चय गोपनीयता प्रक्रिया के दुरुपयोग एवं भ्रष्टाचार को पोषित करती है। उदा० कोल लॉक मावेता घोटाळा

गोपनीयता के नैतिक निहितार्थ

① पारदर्शिता का मूल्य कमजोर होता है।

उदा० → RTI का अनुपालन राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर न करना।

② जवाबदेही सुनिश्चित करना मुश्किल।

↳ सूचना के अभाव में भ्रष्ट को पहचानने का संकट।

③ सूचित होने के अधिकार (अनु०-19)

का उल्लंघन।

④ निम्न स्तरीय कार्य संस्था का सृजन होता है।

पारदर्शिता का महत्व

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1) जवाबदेही तय करने में आसानी होती है।

उदा → RTI अधिनियम से प्राप्त सूचना का PIL में उपयोग।

2) सामाजिक अंकेक्षण हेतु भी पर्याप्त सूचना की आवश्यकता होती है।

उदा → मनरेगा के तहत सामाजिक अंकेक्षण।

3) विवेक के दुरुपयोग की संभावना सीमित होती है।

4) दोषियों को लक्षित करना आसान।

उदा → कॉमनवेल्थ घोषले में सुरेश कलमणी

वस्तुतः सीमित संदर्भों को

घोटक प्रशासन को पारदर्शिता के

मूल्य का संकेक्षण करता चर्किए।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?
(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent." - Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

~~विवेक~~ पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. कलाम ने भी महात्मा गांधी के संज्ञा पक्ष पर सहमति व्यक्त करते हुए व्यक्ति के विकास में घर एवं माता पिता के महत्व का उल्लेख किया था।

सभ्य घर का महत्व

→ शुद्धता से स्कारा यहाँ से मिलते हैं जैसे क्या, पठेपना, सहयोग का मूल्य।

→ सबे एवं गलत मूल्यों का यहाँ विकास होगा ही।

→ सभ्य घर में अच्छे मूल्य असभ्य घर में गाली गलौच, धूम्रपान आदि की सीख एवं प्रेरणा मिलती है।

→ अभिवृद्धि के निर्माण में भी भूमिका।

→ इष्ट = विभिन्न समुदाय के प्रति दृष्टिकोण

सदागुणी माता-पिता

उम्मीदवारों को
इस हार्डिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

→ अच्छे उपाह्वण की प्रवृत्ति से प्रेरित करते हैं।

→ धूम्रपात्र न करने वाले परिवार के बच्चों में यह प्रवृत्ति कम विकसित होने की संभावना रही है।

→ उसे अच्छी शिक्षा सुनिश्चित करते हैं।

→ उसके स्वास्थ्य का सही ध्यान रखते हैं।

→ उसके सम्मुख अच्छे जीवन आदर्श प्रस्तुत करते हैं।

→ उपनि महात्मा गांधी पर माता का प्रभाव।

→ गलत कार्यों से बच्चों को रोकते हैं।

→ उपनि सुनील देवी (फुटबालर) ने अपने अच्छे चरित्र हेतु माता की भूमिका का सबसे बड़ा महत्व माना।

वस्तुतः एक अच्छे नागरिक के निर्माण में निगराण भूमिका माता-पिता एवं परिवार की होती है।

3. (b)

"हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" -

लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy
(Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हार्जिन में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidate
must not
write on
this margin

उपर्युक्त कथन से मिलता जुलता
एक कथन भारत में भी प्रचलित है -

"हर कोई चाहता है कि भगत सिंह का
जन्म उसके घर में नहीं बल्कि उसके पड़ोस
में हो।"

वस्तुतः लोग स्वयं के त्रयासों
की वजाय दूसरों से अधिक अपेक्षा की
अपेक्षा रखते हैं।

उक्त → स्वयं मद्यपात करने वाले व्यक्ति के
द्वारा बच्चों को मद्यपात से बचाने की
शिक्षा देना।

→ स्वयं भ्रष्ट होकर समाज में ईमानदारी
की कल्पना करना।

→ स्वयं अनेतिक लाभ अर्जित कर दूसरों
से नेत्रिकता की अपेक्षा रखना।

यह प्रवृत्ति समाज में बहुत आम

होती हैं जिस्के अधोलिखित दुस्परिणाम हैं -

- (1) लक्ष्मी की आकांक्षा में कोई रोक नहीं रहता
- (2) बड़े-रकं महत्वपूर्ण परिवर्तन में बिलंब होगा
है (3) काल विवाह उन्मूलन, सती तथा
उन्मूलन जैसी तथा

(4) एक इसे का अनुकरण का गलत
तथाओं को स्वीकृति मिल जाती है।

(5) दहेज परम्परा
→ भ्रष्टाचार की प्रथा

इस संदर्भ में महात्मा गांधी
का अधोलिखित कथन सही मार्गदर्शक
प्रदान करता है।

"Be the change you wish to
see in the world"

3. (c)

"जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To see what is right and not do it is a lack of courage." - Confucius (Answer in 150 words) *10

कन्फ्यूशियस ने उपर्युक्त कथन में सत्य के मार्ग से जानबूझकर विचलित व्यक्ति को काया कटा है। इसे अधोनिष्ठ संदर्भों में समझा जा सकता है।

(1) सत्य से जानबूझकर विचलित व्यक्ति में धैर्य का अभाव होता है।

उदा० → पूजा सिंघन। सदाय भूत कृपा।

(2) सत्य से विचलित व्यक्ति में उसे स्वीकारने का साहस नहीं होता है।

उदा० → पूजा खेडकर। स का मुद्रा।

(3) सत्य की जान बूझकर अनदेखी स्वयं को कचाने हेतु भी की जाती है।

उदा० → विकसित राष्ट्रों द्वारा कार्बन उत्सर्जन में ऐतिहासिक भूमिका को म स्वीकारना।

कुछ स्थितियों में हालांकि सत्य से विचलन कायदा न होकर साहस है।

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(उदा०) केंद्र की अंतिम अवस्था के व्यक्ति द्वारा पुराहानी से बचे दिन काटना मानो कुछ हुआ नहीं है।

→ ऐनिक द्वारा अत्यंत विपरीत स्थिति का अपेक्षित स्थिति का सामना करना।

(उदा०) रेजांग ला के युद्ध में मेजर शैलान सिंह।

वस्तुतः ~~उचित~~ उचित

अथवा अनुचित का निर्धारण परिस्थितिक्रम होता है अतः व्यवहार भी उसी अनुसृत होना चाहिए।

" वही कर्म करो जिसे अपनी अंतरात्मा के समक्ष पुष्ट कर सकते हो।"

— कीर्ति गाँधी

4. (a)

किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

अभिवृत्ति से आशय किसी विषय, वस्तु, विचार आदि के प्रति मनः स्थिति से है। सकारात्मक मनः स्थिति से सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित होती है।

(उदा) → मेहनत करने की प्रेरणा (सकारात्मक अभिवृत्ति) → विराट को हठी

सिविल सेवक में महत्व

(1) चुनौतियों के सामना करने का बल प्रदान करती है।

(उदा) आमस्ट्रॉंग पार्में ड्रा. मणिपुर में विकास कार्य।

(2) नवाचारी प्रयासों की तर्फ सिविल सेवक आगे बढ़ता है।

(उदा) IAS आरती डोगरा (दिल्ली)

डाटा को विकाने अभिथाग

उम्मीदवारों को इस धामिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(क) सकारात्मक अभिवृत्ति सिक्वि सेक्क वृत्ति अनुचित व्यवहार होने पर भी नकारात्मकता हाकी नहीं होने देती

उदाहरण \Rightarrow IPS मजोल सभाका डाटा सत्री स्थानांतरण के पश्चात प्रभावी कार्य

(ख) सकारात्मक अभिवृत्ति सेवा भावना को प्राथमिकता पर बलकारा रखती है

उदाहरण \Rightarrow IAS परमेश्वर अय्यर द्वारा किश्व बैंक की नोकरी छोड़ सिक्वि सेवा स्वीकारना

वस्तुतः सकारात्मक अभिवृत्ति का विकास व्यवहारत्मक विज्ञान (Behavioural Sciences) के माध्यम से किए जाते की जाकर है

4. (b)

चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय स्वयं एवं दूसरे के मनोभावों को समझने तथा उनके कुशल संबंधों की क्षमता से है।

“ सुखे दुखे समेकृत्वा लाभान्ना जया जये ।”

→ E. I. का भारतीय संस्करण

संसाधन आवंटन में महत्व :-

(1) Awareness के स्तर पर

जन आकांक्षा का सही अनुमान लगाया जा सकता है (उदा. रोजगार या भत्ता में से क्या चाहिए)

(2) व्यवहार परिवर्तन (Persuasion द्वारा)

“ L. P. S. सचिवालय त्यागने हेतु E. I. का भारत में सफल उपयोग ”

(3) आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 ने भारत में
कटाव लैब्या में वृद्धि हेतु E.I. के
अनुप्रयोग की सलाह दी।

(4) परोपकार (Philanthropy) जैसे मुख्य
रूप संस्कृति के विकास हेतु E.I. का
प्रयोग।

→ दानकर्ता के नाम पर विद्यालय / स्कूल
का नामकरण करना।

(5) संसाधनों के आवंटन में किसे ज्यादा
तीव्र आवश्यकता है, इसके निर्धारण में
E.I. का प्रयोग समूह के व्यवहार का
अनुमान लगाने।

वस्तुतः डेनियल गोल्डमैन
जैसे मनोविज्ञानियों ने इसी परिप्रेक्ष्य में
E.Q. (Emotional Quotient) को
I.Q. (Intelligence Quotient) से
अधिक महत्वपूर्ण माना है।

5. (a)

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्जिए में नही लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल के रूस-युक्रेन, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष में UN, रेड क्रॉस सोसल्टी जैसे संगठन की भूमिका चिह्नित हुई है।

नैतिक चुनौतियाँ

→ सीमित संसाधनों में किसे प्राथमिकता दी जाय।

→ फिलिस्तीन में पहले बच्चों का इलाज किया।

→ संगठन कमियों के खतरों को किस हद तक नजर अंदाज किया जाय?

→ तटस्थ बनकर कार्य करने का संकट।

→ सिपाहियों की सहायता करें या न करें।

→ युद्ध अपराधों की रिपोर्टिंग करें अथवा नहीं।

मार्क्सिक सिद्धांत

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- अंतर्राष्ट्रीय तटस्थता का अनुपालन।
 - गोपनीय सूचनाएँ साक्ष्य बनकर रहना।
 - मानवतावाद के उद्देश्य से संचालित होना।
 - संवेदनशीलता के पैमाने पर सहायता देना।
 - सभी पहलों का सहयोग प्राप्त करने का प्रयास।
- उदा० → भारत द्वारा यूक्रेन एवं फिलिस्तीन में आपदा राहत सामग्री पहुँचाया गया।

वस्तुतः इन संगठनों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने की जरूरत है ताकि अधिक सहायी उपयोग सुनिश्चित हो सके।

5. (b)

अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

अनुमत्त से आशय किसी के अभिवृद्धि पत्रिके हेतु प्रयोग किए जाने वाले साधन से है।

उदा० मांसाहारी को अनुनय द्वारा शाकाहारी बनाना।

महत्वपूर्ण कौशल क्यों

→ समाज के नेतृत्व में सहायक।

उदा० स्वच्छता कार्यक्रम का प्रिधान्वय।

→ व्यवहार विज्ञान का पहलू (Behavioural Science)

उदा० अतमानक उर्वरक प्रयोग करने हेतु अनुनय।

→ Law & Order प्रबन्धन में सहायक।

उदा० अनुनय द्वारा IPS मनोज।

शर्मिने भीड़ निचेतण किया

मार्गदर्शित कले-वाले
मुख्य विचार

उम्मीदवारों को
इस दृष्टि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- अभिवृत्ति का आकलन।
- अभिवृत्ति का ठीका ठी नहीं।
- Selective Avoidance का चर्चा करने की जरूरत।

वस्तुतः अनुनयन दामता
के प्रभावी प्रयोग की प्रशिक्षण देने की
आवश्यकता है।

→ इस लेख में प्रभावी प्रवाली के
विकास की जरूरत है। (B.S.M.A.A.
जोड़ी संस्थाओं)

6. (a)

विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्जिफ में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"भ्रष्टाचार पर केवल कानून द्वारा नियंत्रण संभव नहीं, इसके लिए प्रेरणा प्रभाव विकसित करने की जरूरत है।"

2nd ARE

नैतिक नेतृत्व की भूमिका है-

(1) उदाहरण प्रस्तुत कर सकारात्मक माहौल का सृजन।

(अ) जल कटाफू शास्त्री

(2) नैतिक नेतृत्व स्वस्थ परंपरा का विकास कर सकता है।

(अ) पुणेगल की स्वास्थ मंत्री का गर्भवती महिला की मृत्यु पर स्वीका

(3) जवाबदेहिता की संस्कृति का निर्माण।

④ सार्वजनिक असंतोष उत्पन्न होता है यदि
भ्रष्ट ही भ्रष्टाचार का विरोध करता है
तो

→ उदाहरण → कमल गड्डाफी का भ्रष्टाचार
विरोधी अभियान

⑤ बिना मैट्रिक नेटवर्क के जन सहयोग
प्राप्त करना संभव नहीं

→ उदाहरण → मेलसन मेडला का मैट्रिक नेटवर्क

हालांकि केवल मैट्रिक नेटवर्क
ही पर्याप्त नहीं होता बल्कि

- स्वस्थ संस्कृति
- सामाजिक मैट्रिकता जैसी ही
- स्वस्थ मूल्य
- स्वस्थ परंपरा

6. (b)

स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हिसाब में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

दयानंद सरस्वती ने आर्य
समाज की स्थापना वर्ष 1875 में
सत्यार्थ प्रकाश का निर्माण कर
'वेदों की ओर लौटो' का नारा दिया

शिक्षाएं

- जाति आधारी भ्रूणहत्या का विरोध
- वेदों का अनुपलन
- हिंदी का प्रयोग
- अनेतरजातीय विवाह
- सती प्रथा, जैसी परंपरा का विरोध
- मानवतावाद एवं कल्याण की शिक्षा दी

प्रासंगिकता

उम्मीदवारों को
इस हार्डिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- आज भी जातीय भुत्तचार व्याप्त
- शिक्षा में हिंदी भाषा का तथा
दोतीय भाषाओं का प्रयोग (राष्ट्रीय
शिक्षा नीति 2020)
- पंचवर्णीय मूल्य जलवायु परिवर्तन
परिदृश्य में महत्वपूर्ण
- सामाजिक सद्भाव में भूमिका

सीमाएँ - कर्त के आधार पर कर्त स्वीकृति
→ 'आर्य' संकल्पना
→ वेदों में कर्त तथा अवेदनात्मिक

वस्तुतः सास्कृतिक जी के
विचार वर्तमान समाज का महत्वपूर्ण
मागदृष्टि करते हैं।

7.

मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

- (a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।
- (b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?
- (c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या जिम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

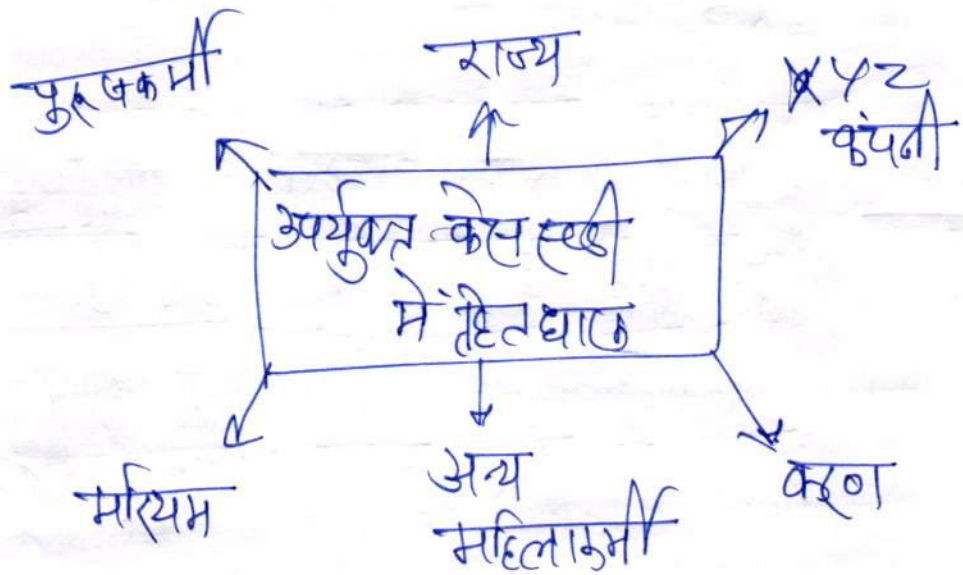
However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

- (a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.
- (b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?
- (c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

कार्यक्षेत्र में महिलाओं की शोभित भागीदारी (भारत में 37% आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार) निम्न होने में एक महत्वपूर्ण कारक कार्यस्थल पर सुदृढा का अभाव है यह उनके गरिमापूर्ण जीवन (AAY) एवं समानता के अधिकार (अनुच्छेद - 15, 16) का भी उल्लंघन है।



करण द्वारा सामना की जाने वाली दुविधा

→ मूल्य शून्य परिस्थिति का संकट

करण के मूल्य ऐसे अन्याय के विरुद्ध

आवाज उठाने हेतु प्रेरित करते हैं जबकि परिस्थिति व्यवहारिक कानों और चुप रहने को

⇒ दायित्व क्लाम भय

उसका दायित्व शिकायत की ओर प्रेरित होता है भय शोकता है।

⇒ व्यापक हित क्लाम स्वहित

सहकर्मी को व्यापक दिलाने में स्वयं की प्रोत्साहित करने का भय विद्यमान है।

करण के समक्ष उपलब्ध विकल्प

विकल्प-1 वह मरियम की राय मान ले और यथास्थिति को स्वीकार करे

लाभ

⇒ पदोन्नति प्रभावित नहीं होगी

⇒ मरियम को भी पेशवा (Professional) नुकसान नहीं होगा

नुकसान

⇒ मरियम को लैंगिक अत्याचार बर्दाश्त करते रहना पड़ेगा

⇒ कण को 'अंतरात्मा के संकट' का सामना करना पड़ेगा

विकल्प - 2 कारण स्वयं शिकायत करता हूँ .

पिछा

→ POSH के तहत
मरियम को न्याय
मिल सकता है।

→ अन्य महिला समितियों
को भी लाज
होगा।

क्विछा

→ पेशेवर स्तर पर नुकसान

→ विशिल्लेडर के स्तर

पर सुझा का भय।

→ मरियम की दावि नकारात्मक
हो सकती है।

विकल्प : 3 कारण पहले मरियम को अनुनयित
(persuade) करे तथा अन्य महिला समितियों
के साथ मिलकर शिकायत करे।

लाज

→ सामूहिक प्रयास से सीमित नुकसान का
भय रहेगा।

→ पुलिस पर भी ग्राहम जांच एवं
कार्यवाही का दबाव होगा।

→ कारण अपने दायित्व शक्ति से संतोष का
अनुभव करेगा।

अतः उपर्युक्त परिस्थिति में तृतीय विकल्प अधिक उपयुक्त नजर आता है।

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

XYZ जैसे कारकों की जिम्मेदारी

→ लिंग समावेशी कार्य एवं कार्य संस्था का निर्माण करें।

→ शिकायत निवारण की प्रभावी आंतरिक प्रणाली का विकास।

→ कानून के बारे में समय समय पर जागरूकता कार्यक्रम तथा पुरुषकर्मियों का सेलेक्शन।

→ पुलिस के माध्यम से कार्यशाळाओं का आयोजन कराएँ।

→ POSH के तहत आरोपित दायित्वों की सुरक्षा करें।

लैंगिक अत्याचार को बढ़ावा देने वाले रहना महिला के जीवन पर संकर बन सकता है। उसे किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

8.

जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

- (a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।
- (b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?
- (c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

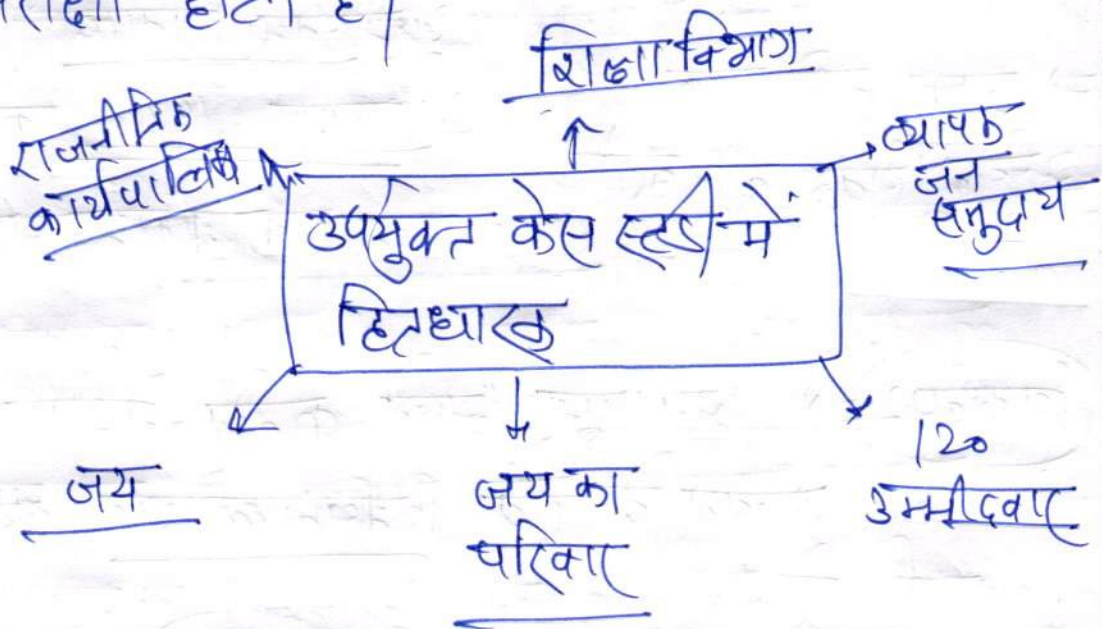
Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

- (a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department?
 Evaluate each of these options.
- (b) What option should Jay adopt and why?
- (c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
 Candidates must not write on this margin

20

एक सिविल सेवक को पेशेवर जीवन में निजी हितों एवं व्यापक हितों के बीच टूट का कई बार सामना करना पड़ता है। वस्तुतः यह उसकी कर्तव्य चेतना हृदय संकल्प एवं सेवा भावना की परीक्षा होती है।



जय के समक्ष अपर्युक्त स्थिति में अधोनिष्ठ विकल्प उपलब्ध हैं -

- (1) वह पूर्व के अनुभव से सीख ले एवं

सूची पर मौन सहमति दे दे।

पक्ष

- जय एवं उसके परिवार को नकारात्मक प्रतिक्रिया का सामना नहीं करना होगा।
- जय के कार्य यथावत जारी होंगे।
- उसकी छवि एक अच्छे सेक्टर की बनी रहेगी।

विपक्ष

- जय सिविल सेवा दायित्व में असफल रहेगा।
- भ्रष्टाचार आगर होने पर भविष्य में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्यवाही संभव।

विकल्प 2 → जय पुनः अपने कर्तव्य-चेतना का परिचय दे एवं ट्रिब्यूनल द्वारा कार्य करे।

पक्ष

- जय शासन में पारदर्शिता लाने में सहायक होगा।
- भ्रष्टाचार रोकने में सफलता।

विपक्ष

- पुनः मानांकन संभव हो सकता है उसकी आशंका - सत्य न हो।

विकल्प-3 संदेह की पुष्टि हेतु सबूत इकट्ठा

करे एवं यथापि कारण होने पर इस प्रक्रिया का यथोचित मंच पर विरोध करे।

⇒ साथ ही साथ जय CP&RAM जैसे मंच एवं लोकपाल जैसे साधन का प्रयोग अनामिता के स्तर पर कर सकता है।

⇒ वह राजनीतिक प्रक्रिया से बचने हेतु विभागीय स्तर पर उपलब्ध विकल्पों का प्रयोग कर सकता है।

उपर्युक्त तृतीय विकल्प एवं अनुबंधी कार्यवाही अधिक उपयुक्त प्रतीत होते हैं। इससे उसे कम प्रतिबन्ध स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

जय जैसे सिविल सेक्टरों हेतु
खुला मानते

4 टी. एस. आर सुब्रह्मण्यम क्लाम भारत
संघ वाद में अनुशंसित सिविल सेवा

बैंड का गठन ताकि स्थानांतरण जैसी कार्यवाही का अनुचित प्रयोग कम हो

→ निश्चित अवधि से पूर्व स्थानांतरण का क्विंट जवाब मांगा जाय (प्रकाश सिंह बाद में - 5.0. दिशानिर्देश।)

→ ट्रिडिसिबल्लोअर शिथिलियन 2011 के प्रावधानों में सुल्लात्मक प्रावधान को मजबूती।

→ विभागों में स्वयंनिष्ठा संघियों को लागू किया जाय (CVC के माध्यम से)

→ स्वस्थ परंपरा को प्रोत्साहित करने वाले सिविल सेवकों को प्रोत्साहित किया जाय।

वस्तु: श्रद्धा सिविल सेवा 'स्टील फ्रेम' होने के इसके दावे को खोखला करती है।

9.

X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए बने हुए एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
- भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

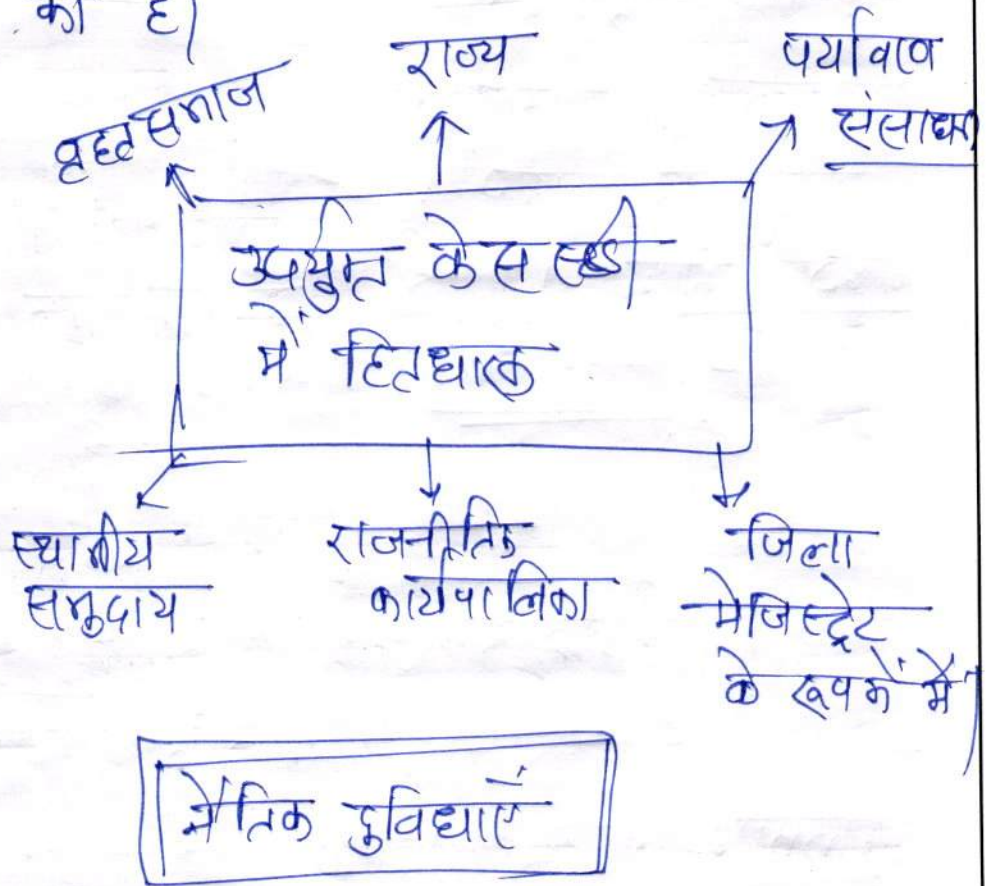
The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

- Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
- Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
- Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words)

20

भारत के विकसित भारत @2047 की संकल्प यत्ना में एक बड़ा और चुनौतीपूर्ण वैद्य पर्यवण संरक्षण एवं विकासात्मक लक्ष्य के बीच संतुलन साधने का है।



(1) उद्देशिका में प्रकृत आर्थिक न्याय का जीवन का अधिकार (एन.सी.मेहता वरुण)

→ प्रकृत पर्यवण का अधिकार जीवन के अधिकार से जुड़ा है जबकि विकास

का दायित्व राज्य पर जिम्मेदारी है।

(2) राजनीतिक दबाव बनाम मैट्रो दायित्व

राजनीतिक कार्यपालिका द्वारा मेट्रो डिपो निर्माण का दबाव है तो वहीं जिन्हा मैजिस्ट्रेट के रूप में मैट्रो दायित्वों का अहसास भी।

(3) तत्कालीन हित बनाम दीर्घकालीन हित

मेट्रो डिपो का विकास तत्कालीन जहाँ जहाँ पर्यावरण संरक्षण पीढ़ी पर पीढ़ी की आवश्यकता।

उपयुक्त विकल्प

विकल्प 1 → मेट्रो डिपो का निर्माण पर्यावरण की कीमत पर करे।

पक्ष

→ विकासत्मक कार्य से आमजन लाभान्वित होगा।

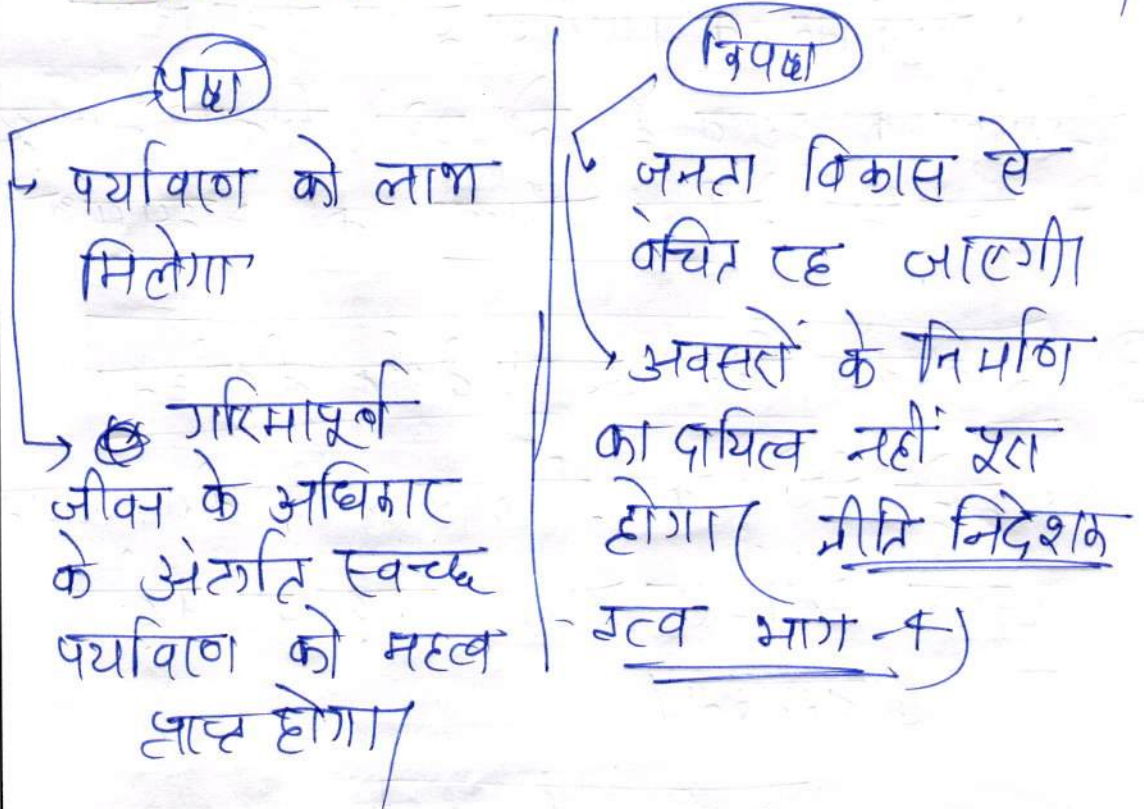
→ राजनीतिक कार्यपालिका भी प्रभावित होगी।

विपक्ष

→ पर्यावरण का नुकसान।
NDA जैसे संस्थान

आगे लोक लग्न सकते हैं।

विकल्प-2 विकासत्मक कार्य को रोकने का नियंत्रण क्योंकि पर्यावरण संरक्षण की जरूरत



विकल्प-3 एक संतुलित दृष्टिकोण। जो अधोलिखित हैं।

- (1) मेट्रो कार्य का पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) करवाना।
- (2) कटे हुए वृक्षों की प्रतिपूर्ति CAMPA फंड के तहत।
- (3) मेट्रो परियोजना को दिल्ली मेट्रो जैसे शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली प्रणाली

ज्ञाने हेतु सुझाव देना।

(4) कोई भी निर्वाचन पारदर्शी, सहभागी एवं उत्वादायी तरीके से करना।

उपर्युक्त परिस्थिति में विकल्प-3
उचित प्रतीत होगा है।

भविष्य की परियोजना हेतु उपाय

सभी परियोजनाओं में EIA का अनुपात
सर्व परम्पराओं एवं प्रणालियों का समावेश
इसके द्वारा पर ग्रीन कॉरिडोर का
विकास।

→ समुदाय, निजी क्षेत्र एवं सरकार सभी
की न्याय निर्णय में भागीदारी।

प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही को
महत्व देना।

इस संदर्भ में मुंबई में निर्मित कोस्टल
रोड परियोजना एक अच्छा उदाहरण है।

10.

डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अस्थी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

- (a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(c) उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

- (a) Identify the stakeholders in the above case study.
(b) Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
(c) Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words)

20

कोरोना (COVID-19) जैसी
महामारी एवं उससे उपजी परिस्थिति
में वैक्सीन निर्माण का इमरजेंसी
प्लान और एजेंडेशन एक नैतिक विमर्श

का सृजन करता है।

उपर्युक्त प्रकार में अधोलिखित
हितधारक शामिल हैं।

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(1) द्वारा निर्माता कंपनी एवं बोर्ड

→ इनका हित कंपनी के परफार्मेंस एवं
लाभ अर्जन के संदर्भ में प्रत्यक्ष है।

(2) द्वारा शेल्फर के रूप में में पेशेवर
हित एवं अपने वैयक्तिक दायित्व के निर्वहन
करने हेतु सम्बद्ध।

(3) आम जन का हित संवालय एवं जीवन
के अधिकार (अभिय) के तहत।

(4) सरकार का विनियामक के रूप में
हित प्रभाव।

वैयक्तिक मुद्दे

(1) लाभ वनाम कल्याण :-

बोर्ड की तरफ से लाभ का प्रभाव जबकि

कानून एवं नीति का उद्देश्य स्वास्थ्य
लाभ

उम्मीदवारों को
इस हार्गिर में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidate
must not
write on
this margin

(4) प्रायः ऐसी स्थिति में पारदर्शी प्रक्रिया
न अपनाए जाने का नैतिक मुद्दा
उत्पन्न होता है।

(5) उपभोक्ता के हित निजी सेवा प्रदाता
की जवाबदेही का अभाव।

(6) सरकारी रूप होकर एवं विनियामकीय
द्वारे की कमजोरी।

(7) भ्रष्ट आचरण द्वारा कर्मियों का ऐसे
मुद्दे को सामने न लाना।

डॉ मेहरा की बुद्धि

→ पेशेवर दायित्व कामला

→ कानूनी मर्यादा काम कंपनी की वफादारी

→ अंतरात्मा की आवाज काम लाभ

विकल्प 1

दवा को जल्द से जल्द जारी कर
लाभ सृजन करें।

पक्ष

- डॉ. मेहरा को पारिजातिक
लाभ प्राप्त होगा।
- कंपनी की बढ़ि
होगी।
- शेयरहोल्डर्स को
लाभ।

विपक्ष

- जनकल्याण एवं
स्वास्थ्य नकारात्मक रूप
से प्रभावित हो सकता
है।
- व्यापक स्तर पर
भ्रष्टि होने से कंपनी
क्षतिवंधित हो सकती है।

विकल्प-2

→ दवा का और अधिक परीक्षण
करें तथा आश्वास होने के बाद जारी
करें।

पक्ष

- जनस्वास्थ्य
को प्राथमिकता।
- कंपनी एवं
स्वयं के भूमिक
दायित्व की पूर्ति।

विपक्ष

- कंपनी को नुकसान।
- शेयरहोल्डर्स की
नाराजगी।
- स्वयं पेशेवर नुकसान।

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

विकल्प - 3

दवा के इस्तेमाल से यून
आधतमजैसे ही हेतु अवैत को साथ ही
चिंताओं के बारे में फार प्रशिक्षण से क्लार
तथा भविष्य में अनुसंधान जारी रखें

लाभ → कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित
होगा

सूचित्र निर्वाच का अधिकार (अनु
-15) का संरक्षण होगा

लाभ एवं दायित्व के मध्य संतुलन
स्थापित होगा

अतः मेरे अनुसार विकल्प
- 3 एक बेहतर विकल्प नजर आता है

11.

आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेटरी के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बाँस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

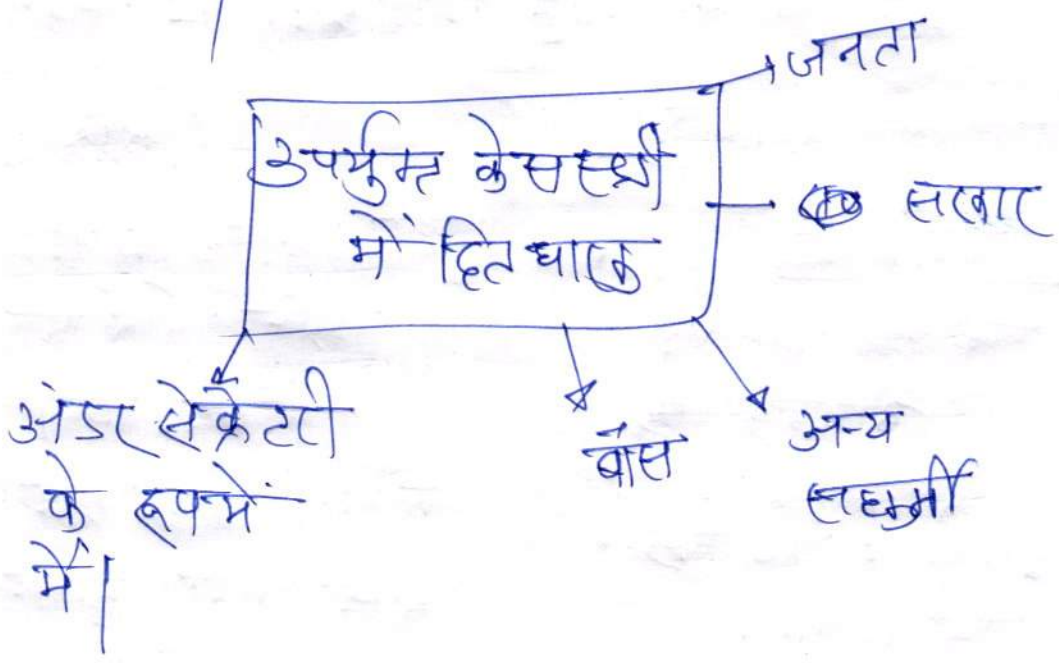
Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
- (b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
- (c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words)

20

सहकर्मी के कार्य का श्रेय लेना
निम्नस्तरीय कार्यसंस्कृति एवं टीम भावना
की कमी तथा भौतिक प्रारंशों के भी
विस्तृत हैं।



नैतिक मुद्दे

→ ① सहकर्मी के कार्य का स्वयं जापन लेने की
जगह परंपरा एवं कार्य संस्कृति।

→ ② यह कनिष्ठों में प्रेक्षा प्रभाव को सीमित
करने वाला दृश्य है।

→ ③ टीम भावना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता
है।

→ ④ सिविल सेवा आचारण नियमावली एवं
नीति संहिता के विरुद्ध।

→ ⑤ भविष्य में यह परंपरा कम सुकृती है।

→ ⑥ जन विश्वास कमजोर होता है।
मनोबल एवं उत्पादकता पर
प्रभाव

→ सिविल सेवकों में संतोष (Work
Satisfaction) का स्तर कम होता है।

प्रशासनिक सुधार एवं जन शिकायत विभाग

के विविध सर्वेक्षणों में भी यह दृश्य

उल्लिखित हुआ है

→ आगे चलकर यथास्थितिवाद एवं लाल फीता शक्ति का जन्म होता है (शुद्ध ARC ने इस पर चिंता व्यक्त की है)

→ कनिष्ठों के सीमित अधिकार एवं विकेन्द्रीकरण शक्तियों के अभाव को शुद्ध ARC ने सेवा कितान गुणावली में बाधक माना है

→ प्रेरणा सञ्भाव की समाप्ति होती है

उपलब्ध विकल्प

विकल्प - 1 → प्रीटिंग में तुरंत विरोध किया जाय

पक्ष

- क्रोय का अनुचित लाना लेने वाले बॉस शर्मिदा होंगे
- मुझे मेरे कृत्य का उचित महत्व प्राप्त होगा

विपक्ष

- यह असमयानुचित व्यवहार की ज़रूरी में आ सकता है
- सीनियर के विलुद्ध ऐसी कार्यवली से नकारात्मक दृष्टि

विकल्प-2 - कूपचाप बॉस को क्षेप लेने हैं

पक्ष

- बॉस के साथ निजी संबंध अच्छे को रहेंगे
- किसी प्रकार की भकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं होगी

विपक्ष

- धारण कार्य संभ्रम को बढ़ावा मिलेगा
- मेरे मनोबल में कमी आएगी

विकल्प-3

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (E.I.) का अनुप्रयोग

- मैं मीटिंग के बाद निजी स्तर पर बॉस से यह बात अनुनयन (persuasion) के माध्यम से कहूँ।
- बॉस को अपने ल्याग एवं मेहनत से पुनः अवगत कराऊँ।
- आगे से ऐसे मीटिंग्स में सचेत रहूँ तथा Presentation जैसे दायित्व भी स्वयं निभाऊँ

तीसरा विकल्प अधिक प्रभावी

पनीत होता है

अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

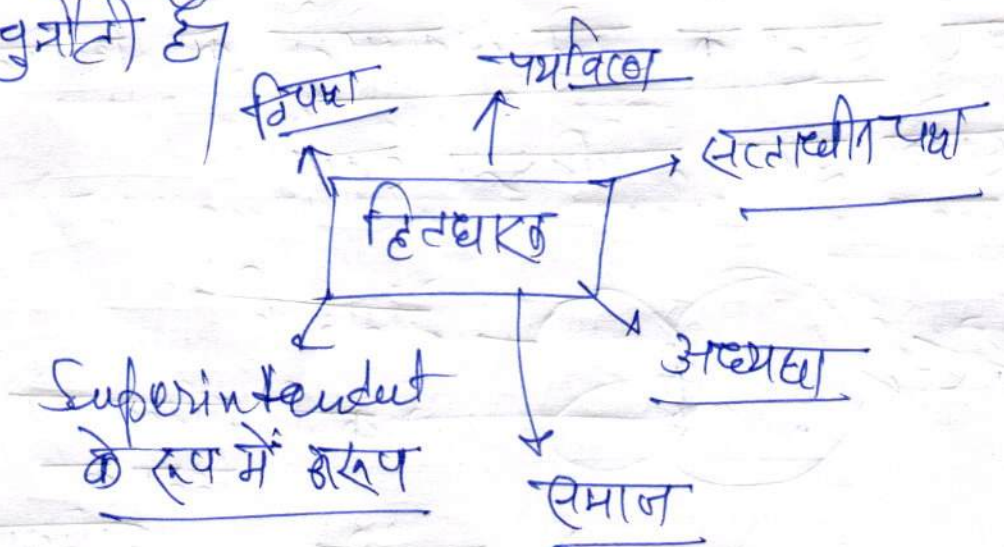
One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

- (a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.
- (b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why? (Answer in 250 words) 20

अपर्युक्त केस स्टडी में अरुण के समक्ष कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देने के साथ-साथ राजनीतिक नटखती के तंत्र के अनुपालन एवं हितविरोधिता (Conflict of Interest) से भी बच निकलने की चुनौती है।



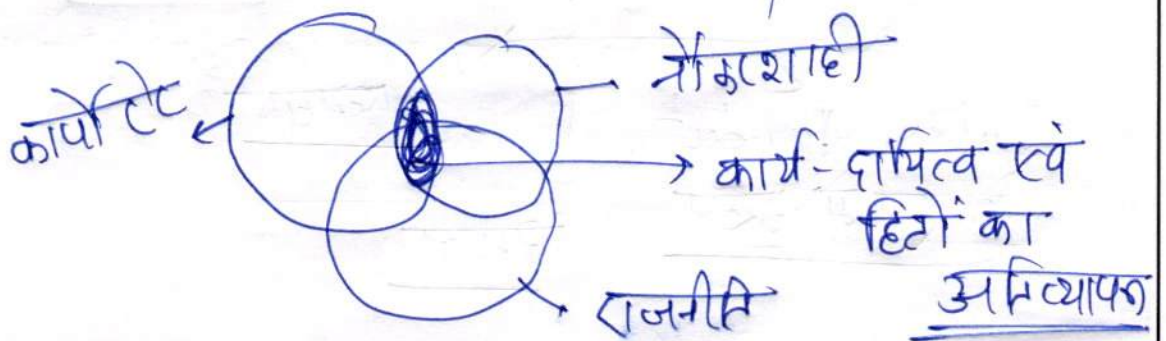
भैतिक मुद्दे

कार्यों एवं दायित्वों के दोहराव के कारण राजनीतिक कार्यपालिका एवं व्यापारी कार्यपालिका के बीच हितों के टकराव की स्थिति उपजावे

(2) उपर्युक्त केस रूसी में क्रोनी कैपिटलिज्म का मुद्दा भी दृष्टव्य है। (गलत EIA Report के लेख में)

(3) नोकशाही के राजनीतिक रूप से तटस्थ रहने की चुनौती।

(4) संविधान के प्रति जवाबदेही की जगह कई बार सत्ता के प्रति जवाबदेही को सिविल लेक्चर द्वारा प्राथमिकता देना।



अरुण के पास उपलब्ध विकल्प

विकल्प-1 ⇒ अरुण कृषक के नेता के अमूर्त कार्य करें।

लाभ

- सत्ता में आने पर लाभ प्राप्त होने की संभावना
- फर्जी EIA होने पर भ्रष्ट प्रक्रिया उभार होगी

नुकसान

- सिविल सेवा आचरण नियमावली का उल्लंघन
- जनमित्र दृष्टि के मूल्य की अनदेखी
- सत्ता के विलोचक का सामना

विकल्प-2 → करना

लाभ

- 1) सत्ता पक्ष की नकारात्मक क्रिया से सुरक्षा
- 2) विकासोन्मुख पक्ष में सुरक्षा

नुकसान

- 1) EIA मानदंडों का इस्तेमाल
- 2) भविष्य में पेशेवर नुकसान होने की आशंका

विकल्प 3

आंतरिक स्तर पर बिना लीक हुए तथ्यों की जांच करना तथा कोई भी

आंशिक का ओटोसिक समाधान करना।
भ्रष्टाचार से संघर्ष में भी राजनीतिक
व्यवस्था बनाए रखना।

लाभ → सिविल सेवा दूबियों की हवा।
अंतरात्मा का संकट नहीं उपजेगा।
पेशेवर चरित्र पर प्रश्नचिह्न नहीं
लगेगा।

→ प्रक्रिया की सत्यता भी सामने आ जाएगी।

अतः उपर्युक्त स्थिति में
विकल्प-3 अधिक उपयुक्त विकल्प प्रतीत
होता है।

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK